जिला भरतपुर (राजस्थान) में ताजपुर के हरिजनों पर किये गये अत्याचारों के बारे में शिकायतें

*928. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय :**
श्री हेमेन्द्र सिंह बनेरा :

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार को जिला भरतपुर (राजस्थान) में ताजपुर के हरिजनों पर किये गये अत्याचारों के सम्बन्ध में शिकायत मिली है ;

(ख) क्या उन्होंने गृह मंत्रालय को एक ज्ञापन भी प्रस्तुत किया है, और

(ग) यदि हां तो इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

गृह मंत्रालय तथा कार्मिक विभाग में राज्य मंत्री (श्री राम निवास मिर्धा) : (क) से (ग) एक विवरण सभा पटल पर रखा जाता है ।

विवरण

एक पत्र दिनांक 3 अप्रैल 1970 जिस पर सर्वश्री हेमेन्द्र सिंह लक्ष्मीनारायण पाण्डेय और कुछ अन्य संसद सदस्यों के हस्ताक्षर थे गृह मंत्री को प्राप्त हुआ था । इसमें कहा गया था कि गत 14 वर्षों के दौरान ग्राम ताजपुर तहसील बेर जिला भरतपुर के कुछ हरिजन परिवार भूमि जोत रहे थे तथा गांव के कुछ गूजर हरिजनों को गांव में निकालने के विचार से हरिजन कृषकों को परेशान कर रहे थे । उसमें यह भी कहा गया था कि सम्बन्धित गूजरों ने हरिजन कृषकों को लाठियों से पीटा था । यद्यपि मामले की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई किन्तु कोई उपयुक्त कार्यवाही नहीं की गई । पत्र को राजस्थान सरकार को उसमें उठाई गई बातों के बारे में वास्तविक सूचना भेजने के लिए अनुरोध करते हुए भेजा गया था ।

2 उक्त तेजपुर गांव के हरिजन गृह मंत्री से मिले थे और उसी विषय पर 2 अप्रैल, को उन्हें ज्ञापन दिया था जो उनकी ओर से भारतीय हरिजन संघ द्वारा तैयार किया गया था । ज्ञापन को आवश्यक कार्यवाही हेतु राजस्थान सरकार को भेज दिया गया था । गृह मंत्री ने हरिजनों को जो उन से मिले थे शिकायत के निवारण के लिए राजस्थान के मुख्य मंत्री से मिलने की सलाह दी थी । गृह मंत्री ने इस मामले बारे में राजस्थान के मुख्य मंत्री को यह अनुरोध करते हुए लिखा था कि मामले में जांच की जाय और उपयुक्त कार्यवाही की जाय ।

3 राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार यह प्रतीत होता है कि वहां कुछ हरिजनों तथा एक गूजर के बीच 24 बीघा भूमि के बारे में मुकदमा चला था और न्यायालय का निर्णय इस समय सम्बन्धित गूजर के पक्ष में है । कानून तथा विवादास्पद भूमि के सभी सम्बन्धित तथ्यों के बारे में आगे सूचना मालूम की जा रही है ।

डा० लक्ष्मीनारायण पांडेय गृह मंत्री जी ने जो विवरण रखा है, उस से यह प्रतीत नहीं होता कि गांव से निकालने की जो कार्यवाही हरिजनों के प्रति की गई, उस के विरुद्ध राज्य सरकार ने क्या कदम उठाया है । आप ने कहा कि इस केस की कानूनी बारीकियों के बारे में जांच

कर रहे हैं, लेकिन मुख्य रूप से जो सवाल है कि सामूहिक रूप से उन के प्रति जो अत्याचार किया गया, उन को पीटा गया, पुलिस ने केस रजिस्टर नही किया — उन के खिलाफ क्या कार्यवाही की गई जिन्होंने अत्याचार किये है। क्या इसके बारे मे कोई जानकारी सरकार को प्राप्त हुई है ?

श्री राम निवास मिर्धा : राज्य सरकार ने जो सूचना दी है, उस में मुख्य रूप में क्या कानूनी झगडा है तथा उसमें कौन कौन सम्बन्धित है—इसी के बारे मे कहा है। लेकिन कई अन्य तथ्य अभी उन्होंने नही बताये है। इस के लिए हम उन से लिखा-पढी कर रहे है तथा इस का पूरा विवरण जो दरख्वास्त मे था उस की पूरी जानकारी उनको भेजी है —अभी पूरा जवाब प्राप्त नही हुआ है।

डा० लक्ष्मीनारायणपांडेय : गृह मंत्रीजी को संसद सदस्यों की तरफ से ज्ञापन दिया गया था तथा उन कृषकों ने भी जिन के साथ ऐसी घटनायें हुई है, अत्याचार हुआ है उन्होंने भी ज्ञापन दिया था। उन्होंने मांग की थी कि तत्काल जांच कराई जाय तथा उन की सुरक्षा की समुचित व्यवस्था की जाय। उन की सुरक्षा के बारे में कुछ भी नही बताया गया है। आप कहते है कि राजस्थान सरकार से पूरा विवरण प्राप्त नही हुआ है। मैं जानना चहता हू कि क्या आप ने राजस्थान सरकार को निर्देश दिये हैं कि उन के साथ आगे किसी प्रकार की कोई दुर्घटना न हो तथा वे लोग जो केस रजिस्टर कराना चाहते थे वह रजिस्टर हुआ या नही हुआ ?

श्री राम निवास मिर्धा : यह सही है कि एक ज्ञापन गृह मंत्री जी को दिया गया था और गृह मंत्री जी ने इस सम्बन्ध मे मुख्य मंत्री राजस्थान को स्वयं पत्र लिखा है तथा जो ज्ञापनदाता थे, उनको भी कहा है कि वे मुख्य मंत्री जी को मिल ले उन्होने मुख्य मंत्री जी को लिख दिया है। इसके बारे मे पूर्ण रूप से कार्यवाही की जा रही है।

श्री राम कंवर : अध्यक्ष महोदय यह जो नाजपुर के हरिजनो के साथ अन्याय किया गया है उसके सम्बन्ध मे वहा के हरिजन स्त्री और बच्चे आकर विज्ञान भवन के सामने जहा पर कि उस रोज कृषि मंत्री जी थे दो रोज पड़े रहे तथा प्रधान मंत्री जी के पास भी अपना ज्ञापन लेकर गए। उन हरिजनो को पीटकर गांव से निकाला गया और उनकी जमीनें छीन ली गई। तो मैं जानना चाहता हू कि प्रधान मंत्री जी की तरफ से उनकी कोई विशेष देख-रेख की गई है ?

श्री राम निवास मिर्धा : गृह मंत्री जी स्वय उन से मिले थे और उनसे अच्छी तरह से बात चीत की है। उन्होंने मुख्य मंत्री जी को लिखा है कि जो भी, जैसी स्थिति है उसकी पूरी जाच करके बताये कि वस्तुस्थिति क्या है।

श्री पन्ना लाल बारूपाल : मैं आपके माध्यम से मंत्री जी से जानना चाहता हू कि जब से प्रधान मंत्री जी ने समाजवाद का नारा लगाया और हरिजनो पर अन्याय रोकने के लिये कहा तथा स्टेट के मुख्य मंत्रियो को कहा गया कि उन्हें जमीन दी जायें, उनको बसाया जाये और उनकी समस्याओं का समाधान किया जाये तब से प्रतिक्रियावादी तत्व

जो अभी भी इस देश से मौजूद हैं वह हरिजनो को अभी क उजाड रहे हैं। मैं आपके माध्यम से दो सौ ढाई सौ पत्र इनके पास भेज रहा हू तो क्या किसी अफसर की स्पेशल ड्यूटी लगा कर उनकी जाच कराकर हरिजनो को न्याय दिलाने की कृपा करेगे ?

अध्यक्ष महोदय आपने प्रश्न तो कोई किया नही है।

श्री पन्नालाल बारूपाल · जब से प्रधान मत्री जी ने हरिजनो के साथ न्याय करने की अपील देशवासियो से की है तब मे उनके ऊपर ज्यादा जुल्म हो रहे है। बजाय बसाने के उनको उजाडा जा रहा है।

अध्यक्ष महोदय : आप बैठिये।

श्री पन्नालाल बारूपाल मै बैठू कैसे, इमका जवाब आना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय पहले आप बैठे। यदि कोई प्रश्न बनना है तो आप जवाब दे दीजिए।

श्री राम निवास मिर्धा माननीय सदस्य ने कहा कि समय-समय पर जो मामले उनकी सूचना म आते है उनके बारे मे सरकार को लिखते हैं। यह सही है कि माननीय सदस्य ने कई दफे इस सम्बन्ध मे जो भी उनके पाम दरख्वास्तें आती है वह भी हमारे पाम भेजी है और हरएक दरख्वास्त पर विशेष रूप मे कार्यवाही की जाती है। उन्होने यह सुझाव दिया कि उन सारी शिकाय जाच के लिए यहा मे कोई विशेष कार्यवाही की जाये उस सम्बन्ध मे मेरा निवेदन है कि जो भी कार्यवाही होगी, वह राज्य सरकार का जो प्रशासन है उसी के द्वारा होगी। राज्य सरकार को, जो भी मामला हमारे ध्यान मे आता है, उसके बारे मे लिखते है। यही नही, बल्कि पूर्ण रूप से सम्पर्क स्थापित करके उसको हल करने की कोशिश करते हैं।

SHRI K S CHAVDA The Government of India are not serious in the implementation of schemes for amelioration of the lot of Scheduled Castes A question had been raised by me in 1970 regarding the burning alive of a Harijan girl and the information was given in 1972 Regarding the present incident also, just now, the hon Minister has said लिखा-पढ़ी हो रही है, बाद मे बताऊंगा। तो लिखा-पढी और जाच के बाद हाउस को इन्फार्मेशन देगे ?

गृह मंत्री (श्री उमाशंकर दीक्षित): जो उत्तर दिया गया है उससे यदि माननीय सदस्य कोई ऐसा परिणाम निकालना चाहते है कि गम्भीरता मे हम विचार नही कर रहे है तो यह उचित नही है। इस सम्बन्ध मे हमारे पास जो सूचना आई है उसके हिसाब से कोर्ट का फैसला उनके खिलाफ हुआ है इसलिए इसमे ज्यादा बताने म)कोई लाभ नही है। (**व्यवधान** हमे जो सूचना मिली है उसके अनुसार 8 हजार रुपए में ज़मीन उन्होंने बेची। दूसरी बार फिर 8 हजार मे वह ज़मीन बेची। उसके बाद केस कोर्ट में गया और वहा दूसरे लोगो को उसका कब्जा मिला कोर्ट का फैसला उनके अनुसार हुआ जिनके कब्जे मे ज़मीन थी। एक गूजर को वह ज़मीन मिल गई। इस प्रकार इसके अन्दर ऐसी कोई बात प्रकट नही हुई है जिसम हमको मालूम पड़े कि जान बूझ कर अन्याय हुआ है। इसीलिए हमने इस सम्बन्ध मे ज्यादा जानकारी मांगी है। इसलिए यह कहना कि हम गम्भीरता से विचार नही कर रहे है वह ठीक नही है। यदि इसमे कोई ऐसी बात निकली जिससे मालूम पड़ा कि शासन की ओर से सख्ती है या औचित्य की अवहेलना हुई है तो हम जरूर दखल देंगे और भी सुझाव देंगे।

SHRI K. S. CHAVDA: He is evading a reply. It is mentioned in the statement that Harijan cultivators had been beaten by the Gujjars, and yet no action has been taken.

MR. SPEAKER: Order, order. I am not going to llow any debate on this.

श्री फूलचन्द वर्मा : मैं मन्त्री जी से जानना चाहता हूं 3 अप्रैल, को गृह मन्त्री को समदमदस्यों द्वारा एक ज्ञापन दिया गया था और आज दो मई है, पूरा एक महीना हो गया है, आज हरिजनो को गाव से निकाला जा रहा है—यह बात ठीक है जो आपने बताया कि कानून के मुताबिक कोर्ट का फैसला उनके खिलाफ गया है लेकिन वह अलग बात है लेकिन जो हरिजनो को पीट कर और महिलाओ को बेइज्जत करके गाव मे निकाला जा रहा है, इतना ही नही बयाना मे डा० अम्बेदकर की मूर्ति को तोड डाला गया . .

अध्यक्ष महोदय आप क्वैश्चन तक महदूद रहिए, भाषण न दीजिए ।

श्री फूलचन्द वर्मा कोर्ट का फैसला उनके खिलाफ गया है लेकिन वह दूसरी बात है परन्तु हरिजनो को, उनकी महिलाओ को, पीटा जा रहा है, गाव मे निकाला जा रहा है उस सम्बन्ध मे आपने एक महीने मे क्या कार्यवाही की है ? आपने जो पत्र मुख्य मन्त्री को लिखा था उसका जवाब उन्होने अभी तक क्यो नही दिया है ? मैं जानना चाहता हू इस सम्बन्ध मे क्या पुन. मुख्य मंत्री को पत्र लिखेंगे और यह कहेंगे कि हरिजनो के मामले मे तत्काल उचित कार्यवाही की जाये ? साथ ही बयाना मे में डा० अम्बेदकर की मूर्ति तोडी गई है उसके सम्बन्ध मे क्या कुछ करेंगे ?

श्री उमाशंकर दीक्षित : इतने समय मे काम काफी तेजी से हुआ है । टेलीफोन मे भी बात चीत की गई है । पत्र भी लिखा है और वहा से मुख्य मत्री का जवाब भी आया है । जो उनके पास सूचना थी वह दी है । फिर भी हमने कहा है और आश्वासन दिया है कि अगर कोई कमी देखी जायेगी तो भी कार्यवाही करेगे । यह जो दूसरा प्रश्न पूछ रहे है उसके लिए अलग से पूछेंगे तो अलग से पता लगा कर उसका भी जवाब देंगे । जो उन्होने पूछा कि आप क्या करेगें सो यह सही सवाल है । यहा पर जब हमारे पास आये थे तो हमने सहानुभूति दिखाई और उनके सम्बन्ध मे जो कुछ भी केन्द्रीय सरकार कर सकेगी, हमारे विभाग के द्वारा वह अवश्य किया जायेगा ।

Economic Development of Tribal Areas of Jhargram in Midnapore (West Bengal)

+

7929 SHRI R N BARMAN

SHRI A K M ISHAQUE

Will the Minister of PLANNING be pleased to state

(a) whether the tribal areas of Jhargram in Midnapore District (West Bengal), are amongst the most backward areas in the country, and

(b) if so what measures are being taken by the Government for economic development of those areas?